भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1925
बुधवार, 5 अगस्त, 2026 (14 श्रावण 1948 (शक)) को उत्तरार्थ

नई राष्ट्रीय बहु-राज्य सहकारी समितियां

1925# श्री मिथलेश कुमारः
श्री केसरीदेवसिंह झालाः
श्री संजय भाटियाः

क्या सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) निर्यात, जैविक उत्पादों और बीज उत्पादन के लिए स्थापित नई राष्ट्रीय बहु-राज्य सहकारी समितियों की वर्तमान परिचालन स्थिति क्या है;

(ख) इन समितियों द्वारा अपने उप-नियमों के अनुसार सदस्य सहकारी समितियों के बीच अधिशेष बांटने के लिए क्या तंत्र अपनाया गया है;

(ग) क्या प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को इन राष्ट्रीय शीर्ष संगठनों के लिए जमीनी स्तर पर संग्रहण और सेवा बिंदुओं के रूप में शामिल किया जा रहा है;

(घ) यदि हाँ, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) कार्बनिक प्रमाणन को सुगम बनाने और लघु एवं सीमांत किसानों को उच्च कीमत वाले अंतरराष्ट्रीय निर्यात बाजारों तक पहुँच प्रदान करने के लिए कौन-सी विशिष्ट पहलें लागू की गईं हैं?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के साथ, सहकारिता मंत्रालय ने तीन राष्ट्रीय स्तर की बहु-राज्य सहकारी समितियों की स्थापना की है: निर्यात के लिए राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल), जैविक उपज के लिए राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) और गुणवत्ता वाले बीजों के लिए भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल)। पैक्स से लेकर एपेक्स तक सभी स्तरों पर सहकारी समितियां उनके सदस्य बनने के पात्र हैं।

वर्तमान में, एनसीईएल ने देश भर से 17,105 सहकारी समितियों को अपने सदस्य के रूप में नामांकित किया है, जिनमें से 16,743 प्राथमिक स्तर की सहकारी समितियां/पैक्स हैं । एनसीईएल ने सहकारी के नेतृत्व वाले निर्यात को बढ़ावा देने और एनसीईएल के माध्यम से कृषि और संबद्ध उत्पादों के लिए निर्यात इकोसिस्टम को सशक्त करने के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के साथ सहकारिता की सुविधा के लिए 28 राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। जनवरी 2023 में अपनी स्थापना के बाद से, एनसीईएल ने विश्व भर के 38 देशों में 50 कृषि और संबद्ध उत्पादों के 14,89,102 मीट्रिक टन से अधिक का निर्यात किया है, जिनका मूल्य 5,866.10 करोड़ रुपये है।

एनसीओएल ने देश भर की 14,550 सहकारी समितियों को अपने सदस्य के रूप में नामांकित किया है, जिनमें से 14,280 प्राथमिक स्तर की सहकारी समितियां/पैक्स हैं । जैविक कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए, राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) ने 28 राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। अपने फ्लैग्शिप "भारत ऑर्गेनिक्स" ब्रांड के तहत, एनसीओएल ने अब तक 29 जैविक उत्पाद शुरू किए हैं। भारत ऑर्गेनिक्स उत्पाद दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में सफल स्टोर्स, नेफेड स्टोर्स, केंद्रीय भंडार स्टोर्स और अमूल स्टोर्स सहित 1,000 से अधिक रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से उपलब्ध हैं। इसके उत्पाद डायरेक्ट टू कस्टमर (D2C) पोर्टल और प्रमुख ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हैं। गुणवत्ता आश्वासन और उपभोक्ता विश्वास सुनिश्चित करने के लिए, भारत ऑर्गेनिक्स उत्पादों का 245 से अधिक कीटनाशक अवशेषों के लिए परीक्षण किया जाता है, और प्रत्येक पैकेज पर प्रदान किया गया क्यूआर कोड उपभोक्ताओं को संबंधित उत्पाद लॉट के लिए परीक्षण रिपोर्ट तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। एनसीओएल ने 42.1 करोड़ रुपये का समेकित कारोबार प्राप्त किया है।

इसी तरह, बीबीएसएसएल ने देश भर की 38,665 सहकारी समितियों को अपने सदस्य के रूप में नामांकित किया है, जिनमें से 37,972 प्राथमिक स्तर की सहकारी समितियां/पैक्स हैं। बीबीएसएसएल ने बीज से संबंधित कार्यकलापों के विस्तार और संवर्धन के लिए 26 राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और 17 राज्यों में बीज लाइसेंस प्राप्त किए हैं । यह वर्तमान में 18 प्रमुख फसलों और 124 किस्मों को कवर करते हुए बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण कार्यकलापों का संचालन कर रहा है। बीबीएसएसएल ने 465 करोड़ रुपये का समेकित कारोबार प्राप्त किया है।

(ख) एनसीईएल, एनसीओएल और बीबीएसएसएल द्वारा उत्पन्न अधिशेष का वितरण बहु-राज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम के प्रावधानों, उसके तहत बनाए गए नियमों और संबंधित समिति की उप-विधियों द्वारा शासित होता है। इन सोसाइटी की उपविधियों में उनके सदस्यों को निम्नानुसार लाभों के निर्धारण का प्रावधान है:

(i) उपविधियों के अध्याय 5, खंड 55 (2) (ए) में निम्नलिखित कहा गया है:

> "उपर्युक्त उपखंड के तहत शुद्ध लाभ को विनियोजित करने के उपरांत बोर्ड की सिफारिशों की अनुशंसा पर आम निकाय निम्नलिखित सभी या किन्हीं प्रयोजनों के लिए शुद्ध लाभ के शेष को विनियोजित करेगा:

चुकता शेयर पूंजी से अपने सदस्यों को 20 प्रतिशत की दर से लाभांश के भुगतान का लक्ष्य करेगा: परंतु यह कि यदि किसी वर्ष में अवितरित शुद्ध लाभ में कमी के कारण विशिष्ट दर पर लाभांश का भुगतान नहीं होने पर आम निकाय, निम्नतर दर का निर्णय कर सकता है जिसपर सदस्यों को लाभांश से भुगतान किया जाएगा ।"

(ii) उपविधियों का खंड 58 लाभांश वितरण का विवरण प्रदान करता है, जो निम्नानुसार हैं:

(1) घोषित लाभांश का भुगतान उस सदस्य को किया जाएगा जिसका नाम लाभांश से संबंधित सहकारी वर्ष के अंतिम दिन को समिति के खाते में बतौर पंजीकृत शेयरधारक दर्ज हो ।

(2) लाभांश की घोषणा के उपरांत तीन वर्षों तक दावा न किए जाने वाले किसी लाभांश को बोर्ड द्वारा जब्त कर लिया जाएगा जिसे समिति के आरक्षित कोष में डाल दिया जाएगा।

(3) बकाए लाभांश का भुगतान आवेदन करने पर किया जाएगा बशर्ते कि वह जब्त न हो गया हो ।

(4) लाभांश, शेयरों पर भुगतान की गई राशि के अनुपात में और जिसकी अवधि शेयरधारक के क्रेडिट में पूरे महीने की बकाए राशि के लिए होगा ।

(ग) और (घ) वर्तमान में, एनसीईएल ने देश भर से 17,105 सहकारी समितियों को अपने सदस्य के रूप में नामांकित किया है, जिनमें से 16,743 प्राथमिक स्तर की सहकारी समितियां/पैक्स हैं। एनसीओएल ने देश भर से 14,550 सहकारी समितियों को अपने सदस्य के रूप में नामांकित किया है, जिनमें से 14,280 प्राथमिक स्तर की सहकारी समितियां/पैक्स हैं। इसी तरह, बीबीएसएसएल ने देश भर से 38,665 सहकारी समितियों को अपने सदस्य के रूप में नामांकित किया है, जिनमें से 37,972 प्राथमिक स्तर की सहकारी समितियां/पैक्स हैं। पैक्स सहित सहकारी समितियां, एनसीईएल, एनसीओएल और बीबीएसएसएल के लिए जमीनी स्तर पर संग्रह और सेवा बिंदु के रूप में कार्य करती हैं। सदस्य सहकारी समितियां एनसीईएल को कृषि और संबद्ध उपज की आपूर्ति करती हैं, एनसीओएल को जैविक उपज की आपूर्ति करती हैं और 'भारत ऑर्गेनिक्स' उत्पादों का विपणन करती हैं और 'भारत बीज' के बीजों के उत्पादन और वितरण में लगी हुई हैं।

(ड.) एनसीओएल ने राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के तहत किसानों के साथ आंतरिक नियंत्रण प्रणाली (आईसीएस) समूहों का गठन किया है और जैविक प्रमाणीकरण में लघु और सीमांत किसानों सहित इन किसानों की मदद करता है। एनसीओएल ने किसानों को अंतरराष्ट्रीय निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, एनसीईएल ने किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करने के लिए दुनिया भर के 38 देशों में बाजार संपर्क बनाया है।

*****